अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) | दिनांक 18.12.2015

द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 15

आचार्य रायचन्दजी (किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) मनुष्य के अद्वितीय पारखी स्वामीजी ने बालमुनि रायचन्दजी के लिये क्या भविष्यवाणी की?

(ख) आचार्य रायचन्दजी ने अपने उत्तराधिकारी के लिए कितने व कौन से पत्र लिखे।

(ग) ऋषिराय के शासनकाल में कितने साधु साध्वियाँ दीक्षित हुए?

(घ) मुनि रायचन्दजी की दीक्षा कब व कहाँ हुई?

(ङ) ऋषिराय ने थली के किस क्षेत्र में चातुर्मास किया?

(च) ठाकुर केसरी सिंहजी ने अपनी विजय का रहस्य क्या बताया?

आचार्य जीतमलजी (किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) जयाचार्य का जन्म कब व कहाँ हुआ?

(ज) जयाचार्य ने ''आहार संविभाग'' सम्बन्धी योजना को कब व कहाँ कार्यरूप दिया?

(झ) स्वामीजी द्वारा निर्मित मर्यादाओं को संकलित कर जयाचार्य ने उसका क्या नाम दिया?

(ञ) जयाचार्य ने कौन–कौन से दार्शनिक ग्रन्थों का अनुवाद किया?

(ट) ढूंढ़ाड़ यात्रा में जयाचार्य ने कितने व्यक्तियों को सम्यक्त्व दीक्षा प्रदान की? उस समय के प्रमुख व्यक्तियों के नाम लिखें।

(ठ) ''नमो बभीए लिवीए'' जयाचार्य ने इस आगम वाणी का क्या अर्थ किया?

(ड़) जयाचार्य द्वारा रचित न्याय ग्रन्थ कौन सा है?

(ढ़) जयाचार्य द्वारा रचित जीवन वृत्तों की संख्या कितनी है? तथा उसमें सबसे बड़ा जीवन ग्रन्थ कौन सा है?

(ण) जैनागमों में स्वाध्याय के कितने प्रकार बताए गए हैं? नाम लिखें।

(त) जयाचार्य ने मर्यादामहोत्व का प्रारम्भ कब व कहाँ से किया?

(थ) मुनि भीमराजजी व मुनि जीतमलजी को ''छेदोपस्थापनीय चारित्र'' कब व किसके द्वारा प्रदान किया गया?

(द) जयाचार्य द्वारा रचित पंच ऋषिस्तवन का दूसरा नाम व रचना स्थल कौन सा है?

(ध) मुनि जीतमलजी के तीन गुरु कौन–कौन थे?

प्र.2 निम्न चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 10

आचार्य रायचंद जी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य रायचन्दजी के शासनकाल में कितने छः मासी तप हुए? उक्त तपस्वियों का नामोल्लेख करें।

(ख) आचार्य ऋषिराय ज्योतिष विद्या को कैसे समझाते थे?

(ग) आचार्य ऋषिराय की शिष्य संपदा का वर्णन संक्षेप में करें।

आचार्य जीतमल जी (कोई दो प्रश्न का उत्तर दें)

(घ) जयाचार्य ने अपने विद्यागुरु का जीवन चरित्र लिखने में अपने दीक्षा गुरु का सम्मान कैसे किया?

(ड.) जयाचार्य की सुखपाल उठाने का कार्य करने वाले मुनिजनों का नाम लिखकर बताऐं उन्हें श्रम निवारणार्थ क्या दिया जाता था?

(च) तेरापंथ में ''घड़े का कार्य'' क्या होता है?

(छ) ''मानव परीक्षा दक्ष जयाचार्य ने सरदार सती की महत्ता को दीक्षा से पूर्व ही पहचान लिया।'' स्पष्ट करें।

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 10

(क) ''दीक्षा वृद्ध और आलोयणा'' घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि आचार्य रायचन्दजी की वह दूरदर्शिता व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षा न होकर संघ की सुव्यवस्था के अनुरूप थी।

(ख) आचार्य रायचन्दजी कि ''अंतिम अवस्था'' का वर्णन करें।

(ग) वर्ष सित्यासियै सुखकार, हुयो धर्म उद्योत अपार।
थया थली देश में थार, च्यारतीर्थ तणा गहघार।।

जयाचार्य द्वारा रचित इस दोहे का अर्थ करते हुए लिखें कि थली क्षेत्र में तेरापंथ का प्रचार–प्रसार कैसे हुआ?

प्र.4 किसी एक विषय पर 100 से 150 शब्दों में टिप्पणी लिखें। 5

(क) गाथा प्रणाली

(ख) भ्रम विध्वंसन

(ग) श्रम का विभाजन

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें। 30

(क) सिद्ध करें कि जयाचार्य श्रुत के अनन्य उपासक थे।

(ख) तेरापंथ के साहित्य सेवी आचार्यों में स्वामीजी के पश्चात् द्वितीय नाम जयाचार्य का ही आता है। जयाचार्य के साहित्य सृजन द्वारा स्पष्ट करें।

(ग) ''गण तति विप्पमुक्को'' यह विशेषण जयाचार्य जैसे शिष्यों द्वारा ही सार्थक किया जा सकता है। आचार्य रायचन्दजी के अनन्य सहयोगी रूप का वर्णन करें।

तेरापंथ–प्रबोध – 30

प्र.6 कोई दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12

(क) ''संता! शासन ओ स्वामीजी रो'' गीत वाला पद्य।

(ख) उणपच्चास संत.....शानदार हो।

(ग) ''भारीमालगणी, म्हारै माला रो मणी'' गीत वाला पद्य।

(घ) कुण जाणै.....अभिनव द्वार हो।

प्र.7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) नियति योग.....भारी भार हो।

(ख) अर्हत आज्ञा.....कारोबार हो।

(ग) आगम–संपादान.....हृदयोदगार हो।

(घ) आषाढ़ीपूनम.....सरस में।

प्र.8 कोई तीन पद्य लिखें। 9

(क) ''बदल युग की धारा'' वाला पद्य।

(ख) ''स्वामी भीखणजी नाम'' वाला पद्य।

(ग) ''घणां सुहावो माता दीपांजी'' वाला पद्य।

(घ) ''लोग लगास्यूं लार हो'' वाला पद्य।

(ड.) ''भिक्खू–दृष्टान्त वाला पद्य।